**A–0284**

**Total Pages : 3** **Roll No. .....**

# MAJY-604

## MA Jyotish (MAJY)

### (संहिता स्कन्ध-01)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

**नोट :—** यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

**खण्ड–क**

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)** (2×19=38)

**नोट :—** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्राचीन भारतीय वृष्टि विज्ञान के सिद्धान्तों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

2. मेघ के कितने भेद होते हैं ? उनके लक्षण एवं गुणों को व्याख्यायित कीजिए।

3. बुध एवं गुरु के वर्षफल का विस्तृत विवेचन कीजिए।

4. संहिता ज्योतिष के प्रवर्तकों का वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

5. बृहत्संहिता के अनुसार भूकम्प के लक्षण एवं उसके शुभाशुभ फल का उल्लेख कीजिए।

## खण्ड–ख

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)** (4×8=32)

**नोट :—** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्रतिसूर्यलक्षण पर टिप्पणी लिखिए।

2. राहुचार का फल प्रकाशित कीजिए।

3. वृष्टिभंग योग विचार पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

4. बुध के वर्षफल पर प्रकाश डालिए।

5. अपशकुन से आप क्या समझते हैं ?

6. अंतरिक्ष उत्पात के फल को लिखिए।

7. ग्रीष्मकालीन वर्षा पर टिप्पणी लिखिए।

8. संहिताग्रन्थों के प्रतिपाद्य विषयों का उल्लेख कीजिए।

**********